इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) से (ग) भारतीय फिल्म उद्योग पर प्रभाव डालने वाली समस्याओं को संभव सीमा तक सुधारने का सरकार का हमेशा प्रयास रहता है । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुये 24 जून, 1994 को नई दिल्ली में हुये सूचना और चलचित्रकी राज्य मंत्रियों के 21वें सम्मेलन में फिल्म उद्योग द्वारा सामने की गई कुछ प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया था । सम्मेलन में निम्नलिखित सिफारिशें की गईं:—

(i) सिनेमा पर मनोरंजन कर की दरों में कमी करना ;

(ii) सिनेमा थियेटरों पर मनोरंजन कर की संयोजित प्रणाली को शुरूआत;

(iii) वीडियो पार्लर्स तथा केबल टी.वी. नेटवर्क पर कर लगाना ;

(iv) फिल्म उद्योग को "उद्योग" का दर्जा प्रदान करना ।

ऊपर (i), (ii) तथा (iii) पर दी गई सिफारिशों का कार्यान्वयन राज्य सरकारों/संघशासित प्रदेशों को करना है । जहां तक उपर्युक्त (iv) पर की गई सिफारिश का संबंध है, मामले को पहले ही उद्योग तथा वित्त मंत्रालय के साथ उठाया गया है ।

दूरदर्शन केन्द्र, इलाहाबाद के संस्थापन में विलंब

2004. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इलाहाबाद में दूरदर्शन केन्द्र के संस्थापन और उसे चालू होने में विलंब के क्या कारण हैं जबकि उसका उद्घाटन कराया जा चुका है ; और

(ख) इस योजना का ब्यौरा क्या है और इस केन्द्र के कब तक चालू हो जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) और (ख) इलाहाबाद में प्रस्तावित दूरदर्शन केन्द्र की अभी आरम्भ नहीं किया गया है । इसकी आधारशिला तत्कालीन प्रधान मंत्री जी द्वारा जुलाई, 1990 में रखी गई थी । इलाहाबाद में 150 वर्ग मीटर आकार के एक टेलीविजन स्टूडियो केन्द्र की स्थापना संबंधी स्कीम को सक्षम प्राधिकारी द्वारा 14 सितम्बर, 1993 से सिद्धांत रूप से अनुमोदित कर दिया गया है । परियोजना तैयार करने में विलंब, तकनीकी पैरामीटरों को स्थापित किये जाने तथा संसाधनों की कमी के कारण हुआ । इतने बड़े आकार की परियोजना को पूरा करने में सामान्यतया अनुमोदन के बाद लगभग 3 से 4 वर्ष का समय लगता है ।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के कलाकारों को वित्तीय सहायता

2005. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रतिष्ठित कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ;

(ख) यदि हां, तो उन प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम क्या हैं और उन्हें कितनी-कितनी वित्तीय सहायता दी जा रही है ;

(ग) ऐसी सहायता दिये जाने के मानदण्ड क्या हैं ; और

(घ) उन प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम क्या हैं जिन्हें यह सहायता नहीं दी जा रही है और उसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) (क) : जी, हां । दूरदर्शन/आकाशवाणी द्वारा प्रतिष्ठित

संगीतकारों/नर्तकों/कलाकारों और सर्जनात्मक लेखकों को वित्तीय सहायता हेतु एक स्कीम है।

(ख) और (ग) ब्यौरे अनुबंध में दिये गये हैं। [देखिये परिशिष्ट 171, अनुक्रमांक 32]

(घ) आकाशवाणी केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये चयनित कलाकारों के रिकार्ड का रख-रखाव करता है।

आकाशवाणी द्वारा समाचार एजेंसियों को धनराशि का भुगतान

2006. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन समाचार एजेंसियों के नाम क्या-क्या हैं जिन्हें आकाशवाणी धनराशि का भुगतान करती है;

(ख) ऐसे भुगतान किस प्रकार और किस रूप में किये जाते हैं ;

(ग) भुगतान की दर क्या है ; और

(घ) पिछले दो वर्षों के दौरान और 1994 में अभी तक पृथक रूप से कितनी-कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया युनाइटेड, न्यूज आफ इंडिया और एशिया-न्यूज इंटरनेशनल।

(ख) भुगतान मासिक किस्तों में किया जाता है।

(ग) 1992-93 के लिये दरें:

(लाख रुपये में)

एजेंसी	राशि
पी०टी०आई०	210
यू०एन०आई०	177
ए०एन०आई०	0.60

(घ) भुगतान की गई राशि (बकाया राशियों सहित)।

वर्ष	पी०टी०आई०	यू०एन०आई०	ए०एन०आई०
1992	1,95,05,225	1,63,23,750	74,516
1993	2,24,94,775	1,83,25,982	70,000
1994 (जून, 94 तक)	61,19,200	51,63,200	20,000

आकाशवाणी में उर्दू कार्यक्रमों के साथ व्यवहार

2007. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों में उर्दू कार्यक्रमों को उचित महत्व नहीं दिया जाता ;

(ख) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के उर्दू विभाग की उपेक्षा की जा रही है और उसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी की उर्दू सेवा, जो कि देश भर में लोकप्रिय है, का विदेशियों के लिये ही प्रसारण किया जा रहा है और देशवासियों को उससे वंचित रखा जाता है ;

(घ) उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) स्वदेशी श्रोताओं के साथ यह अन्याय कब समाप्त होगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) से (ङ) जी, नहीं। इस सेवा के अलावा राष्ट्रीय चैनल के अतिरिक्त देश के